Registered with the Registrar of Newspapers of India: R.N. 50752/90

रा.वि.प्रौ.सं.प. सन्देश

NCSTC COMMUNICATIONS

Outreach Campaign
UNDERSTANDING PLANET EARTH

233rd Issue

VOLUME 19 | मार्च /March 2008 | अंक 12

Start of the National Science Day celebration at Technology Bhavan, New Delhi. Hon'ble Minister for S&T and ES, Sh. Kapil Sibal, Dr T. Ramasami, Secretary, DST and Er Anuj Sinha, Head, RVPSP (R to L) seated on the dais.

Award winners with dignitaries after the presentation ceremony

Inside this issue

मेरा पृष्ठ 2
National Awards for Science and Technology Communication for the Year 2007 4
Special Pull out Nomination forms for National Award 2008 9-16
Activity round up 22
आपका पृष्ठ 24

प्रधान सम्पादक/Chief Editor
अनुज सिन्हा/Anuj Sinha
सम्पादक/Editor
मनोज पटैरिया/ Manoj Patairiya
सह सम्पादक/Associate Editor
इन्दु पुरी/Indu Puri
लेखन सहयोग/Contributors
उज्ज्वला तिर्की, दया ड्डुष्ण पाण्डेय, चँद्र मोहन, शशि आहूजा, पम्पोश कुमार, असित चक्रवर्ती
टाइपिंग सहयोगध्अलका अग्रवाल
कम्पोजिंग/सुरेन्द्र सिंह नेगी

Address for Correspondence:
Editor, *NCSTC Communications*
Rashtriya Vigyan Evam Prodyogiki Sanchar Parishad
Department of Science and Technology,
New Mehrauli Road, New Delhi-110 016
Phone: (011) 26590219 (EPABX)
Fax: (011) 26866675,
E-mail: sandesh_vichar@yahoo.co.in

It is brought out and disseminated for RVPSP by NCSTC-Network
E-56, 1st Floor, Samaspur Road, Pandav Nagar, Delhi-110091

Material appearing in this newsletter may be freely reproduced provided acknowledgement of the source is made.
A copy of the same would be appreciated. If the author is not a RVPSP Scientist, then permission to republish must be sought from him/her. Views in signed articles do not necessarily represent those of RVPSP.

Published and printed by Dr. Manoj Patairiya on behalf of RVPSP/DST, Technology Bhawan, New Delhi-110016 and printed at Sita Fine Arts Pvt. Ltd., A-22, Naraina Indl. Area, Phase-II, New Delhi-110028

NCSTC COMMUNICATIONS

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद NCSTC

INDEX

VOLUME 19, MARCH - 2008

Topics	Pages
1 Water and Livelihood	3-4
2. National Awards For Science And Technology Communication For The Year 2007- A Report	5-9 (Continued on Page 18 to 22)
3. Announcement for the National Awards for science communication 2008	12-17
4. Activity Round-up	23-24
5. Your Page	25

जल एवं आजीविका
WATER AND LIVELIHOOD

किसान बाबूराव हजारे ने महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में अपने गांव के छोटे किसानों के जीवन को सुधारने के लिए सशस्त्र सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति प्राप्त की। उसके नेतृत्व में हर वर्ष सूखा झेलने वाले क्षेत्र में बाद के वर्षों में कृषि के मामले में समृ(पैदा हो गई और रालेगंज सिंधी अब प्रभावशाली वाटरशेड विकास का एक आदर्श नमूना बन गया है।

जल का केवल कृषि से ही सम्बंध नहीं है बल्कि हमारे समाज को प्रभावित करने वाले स्वास्थ्य पोषण और कई अनेक कारकों से भी यह जुड़ा है। परंतु मनुष्य अपने लालच के कारण प्रकृति के संसाधनों का विनाश करता है। बिना पुनर्भरण के जल का दोहन, औद्योगिक एवं नगरपालिका के मल स्राव को संसाधनों का प्रदूषण, वनों की कटाई आदि ऐसे कार्य हैं जो सूखे, बाढ़ और अन्य आपदाओं के कारण बनते हैं।

शहरों की ओर लोगों के निरंतर पलायन से नई बस्तियां बनती जाती हैं जिनमें प्राथमिक सुविधाएं तक नहीं होती और पानी की कमी हो जाती है जिससे दूरगामी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसी तरह का जल संकट है जहां कुओं, टैंकों और तालाबों से जल आवश्यकता पूरी की जाती है और यह जल स्रोत वर्षा के जल पर निर्भर है। हमारे वैज्ञानिक ऐसे मुद्दों के समाधान की आवश्यकता को समझते हैं और जानकारी रखते हैं। रालेगंज सिधी में हजारे ने जो कार्य किया है उसी का अनुसरण अन्य जगहों में करने की आवश्यकता है।

चुनौती का सामना करने के लिए असामयिक और अनियोजित उपायों से कोई स्थाई समाधान नहीं निकल सकता। मानसून के दौरान जल के बहने को रोकने और उसे संचित करने के लिए सुनियोजित कार्य योजना आवश्यक है। जल संरक्षण करने वाले, भूमि कटाव एवं अपघटन रोकने वाले पेड़ पौधों की प्रजातियों को लगाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य होगा। ऐसी प्रजातियों के चयन, पौधे लगाने के मौसम, प्रारंभिक अवस्था में उनकी देखरेख तथा संक्रमण से बचाव के बारे में वनस्पति विज्ञानी बागवानी विभागों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। इससे बेहतर वन संवर्धन और कार्बनडाइआक्साइड कम करने में मदद मिलेगी।

Kisan Baburao Hazare sought voluntary retirement from the Armed Forces to improve the quality of life of small farmers of his village in Ahmadnagar district, Maharashtra. The perennially drought area under his leadership has witnessed successive years of agricultural prosperity and Raleganj Siddhi has become a role model of effective watershed development.

Water is linked to not just agriculture but also to health, nutrition and many other factors that affect our society. Humanity, however, tends to be destructive towards nature's resources that has greed as the motivation. Exploiting water without recharging, contaminating resources with industrial and municipal effluents, deforestation, etc., are unsustainable practices resulting in droughts, floods and other calamities.

The constant rural urban migration results in settlements without basic amenities and results in constraining the water supply, with far reaching adverse impact. The rural situation is equally in a crisis with water requirements being met from wells, tanks and ponds that rely on rainwater for their recharging. Earth Scientists have the know-how and know-why to address such issues. The role played by Anne Hazare at Raleganj Siddhi needs replication.

Untimely and haphazard measures to meet the challenge do not provide for sustainable solutions. Well- formulated strategies are a necessity to prevent water run- offs during monsoon. An important action point would be to plant tree species that conserve water, prevent land degradation and check soil erosion. Botanists can guide the horticultural departments in selection of species, season for planting, care in early stages and protection from infection. This would also result in a better tree cover and capturing carbondioxide in the atmosphere.

खराब जल से अनेक बीमारियां पैदा होती हैं और रोगों को नियंत्रित न किया जाए तो मृत्यु दर बढ़ जाती है। साफ सफाई के ज्ञात तरीकों से इनमें से अधिकांश की रोकथाम की जा सकती है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुशल मल जल निष्कासन प्रणाली से गंदे पानी के जमा होने को रोका जा सकता है। प्रत्येक कुएं के चारों ओर सीमेंट का प्लेटफार्म होना चाहिए ताकि जल के रिसाव और प्रदूषण को रोका जा सके। कुओं का नियमित रूप से क्लोरीनीकरण किया जाना चाहिए। जल की गुणवत्ता बनाए रखने में इस बात को समझना अति महत्वपूर्ण है कि हमारी लगभग 90 प्रतिशत आबादी के पास नगरपालिका मल जल निष्कासन प्रणाली नहीं है, ऐसे में साफ सफाई एवं स्वच्छता की दशाओं में सुधार करना महत्वपूर्ण है। साफ सफाई की प(तियां अपनाने में व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को प्रेरित करने के लिए विज्ञान आधारित सामाजिक संगठनों को अभियान चलाने चाहिए। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए जानकारी, दृष्टिकोण एवं विचारों में परिवर्तन, अपेक्षित व्यवहार एवं सुनिश्चित उपाय जरूरी हैं।

यमुना एक्शन प्लान ने हाल ही में अपने तीन दशक पूरे कर लिए हैं। अभी भी नदी में औद्योगिक मलस्राव और शहर की गंदी नालियों का जल बहना नहीं रुका है। उद्योगपतियों और उद्यमियों को जिम्मेदारी निभाने के लिए स्वैच्छिक रूप से आगे आना होगा क्योंकि कानून और अभियोजन का कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा है मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने वाले औद्योगिक युनिटों को ही केवल मान्यता दी जानी चाहिए। मल जल के कारगर उपचार और कूड़े कचरे के सुरक्षित निपटान को सुनिश्चित करने में ट्रेड यूनियनों के सदस्य प्रभावशाली भूमिका अदा कर सकते हैं। 'पृथ्वी ग्रह को समझने के लिए आउटरीच अभियान' के अंग के रूप में उद्योग जगत और कामगार संघों के साथ बातचीत करना प्रस्तावित पहलों में से है।

हमारी आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से की आजीविकास की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने की जरूरत है। कल्पनाशील उपाय जल–संभरण विकास कार्यक्रमों का एकीकरण कर सकते हैं, लोगों के लिए गैर भूमि आधारित आम उत्पादन अवसर तैयार करते समय सार्वजनिक भूमि में सही किस्म के वृक्ष लगाने, जल निकासी सुधारने और जली संसाधनों को इष्टतम बनाने, आदि, से उनकी निरंतर आय बनी रहेगी और परिवेश में भी सुधार होगा। जानकारी देना और संगठित करना समुदाय के नेताओं के वह कार्य हैं जो ब्लाक या जिला स्तर पर विद्यमान विकास स्कीमों के प्रावधानों का उपयोग कर सकते हैं। जल सम्बंधी मुद्दों पर अधिक बु(मानी का प्रचार करते समय इस अभियान से नए अवसर सामने आएंगे।

Water borne diseases result in high morbidity and if unchecked, result in mortality. Most of these are controllable through known methods of sanitary practice. Both in urban and rural areas efficient drainage systems can prevent water collection and ts stagnation. The vicinity of every well should have a cemented platform to prevent leaching and contamination of water. Chlorination of wells should be done regularly. While maintaining water quality is very important one must realize that about 90% of our population does not have access to municipal sewage system and the implication of upgrading the sanitary condition gains importance. Science-based social organizations must adopt campaigns to motivate individuals, families and communities in adiopting hygienic practices. Knowledge inputs, attitudinal change and desired behaviour have to be deliberate and measured steps to reach the goal.

The Yamuna Action Plan completed three decades recently. Industrial effluents and urban sewage continue to pour into the river. Responsible action by industrialists and entrepreneurs will have to come voluntarily since legislation and persecution have not had significant impact. There must be peer recognition for industrial units that ensure compliance with norms. Members of trade unions can be effective in ensuring effective treatment of effluents and safe disposal of wastes. Intervention with industry lobbies and workers' unions are initiatives proposed as part of the 'Outreach Campaign for Understanding Planet Earth'.

Livelihood needs of large segments of our population need to be given priority. Imaginative solutions can integrate watershed development programmes, planting of right species of trees in common land, improving water drains and conserving water sources, etc., while creating non-land based income generating opportunities for them can generate sustainable income while improving the neighbourhood. Sensitization and organization are initiatives by community leaders that can use provisions of existing development schemes at the block or district level. This campaign opens a new window of opportunity while canvassing for more wisdom on issues of water.

...Back-Index

वर्ष 2007 के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार

NATIONAL AWARDS FOR SCIENCE AND TECHNOLOGY COMMUNICATION FOR THE YEAR 2007- A REPORT

❑ *INDU PURI*

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद राविप्रौसंप न विज्ञान लोकप्रियकरण और संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों को प्रेरित, प्रोत्साहित और मान्यता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रारम्भ किए हैं। इस क्षेत्र में कुल 6 पुरस्कार हैं।

इन पुरस्कारों के चयन के लिये छः श्रेणियों में पुरस्कार विजेताओं के चयन के लिये एक जटिल प्रक्रिया थी। प्रांरम्भिक जॉच के पश्चात् चुने हुए उम्मीदवारों को चयन समिति के समकक्ष अपने कार्यक्रमों व प्रयासों को रखने का मौका दिया गया। चयन समिति के सुझावों को मान्यता दी गई और आगे के आलेख में हम विजेताओं का परिचय अपने पाठकों से करायेगें।

इस वर्ष माननीय केन्द्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री श्री कपिल सिब्बल द्वारा यह पुरस्कार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष पर आयोजित एक भव्य समारोह पर 28 फरवरी 2008 को वितरित किये गये।

Shri Kapil Sibal,Hon'ble Minister for S&T and Earth Sciences addressing the award winners and other scientists in Technology Bhavan, New Delhi

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में प्रशंसनीय प्रयासों के लिए विशिष्ट राष्ट्रीय पुरस्कार

यह पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार और/अथवा वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहन देने के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा किए गए ऐसे उत्कृष्ट प्रयास के लिए दिया जाता है जिसका पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में व्यापक प्रभाव हुआ हो।

यह पुरस्कार **डा. दिनेश मिश्र,** रायपुर व **सौराष्ट्र एजुकेशन फाउंडेशन** राजकोट को दिया जाता है।

डॉ. दिनेश मिश्र

वर्ष 1961 जन्में डॉ. दिनेश सन् 1995 से लगातार विज्ञान लोकप्रियकरण, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक जागरूकता के

Rashtriya Vigyan Evam Prodyogiki Sanchar Parishad instituted national awards to stimulate, encourage and recognize outstanding efforts in the area of science popularization and communication. There are six awards, in this field.

The selection process for the six categories was very rigorus. After an initial screening, shortlisted participants had the opportunity to interact with jury members. The recommendation of the jury have been accepted and we introduce the winners to our readers.

This year the awards were presented by Shri Kapil Sibal, Hon'ble Union Minister for S&T and Earth Sciences at a special function held at Technology Bhawan, New Delhi on February 28, 2008. The National Science Day lecture was delivered by Dr. M.S. Swaminathan, Chairman, M.S. Swaminathan Foundation.

Special National Award for Commendable Efforts in Science & Technology Communication

The award is given for commendable work in communication of science and technology and/or promoting of scientific temper which had the widest impact in the country during the past five years. The award consists of a memento and a citation.

The honour was bestowed on **Dr. Dinesh Misra**, Raipur and **Saurashtra Education Foundation**, Rajkot.

Dr Dinesh Mishra

Born in 1961, Dr. Dinesh Mishra has been working since 1995 for science popularization, scientific approach and

लिये कार्य करे रहे हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर सभाओं, गोष्ठियों, व्याख्यान, चमत्कारों के वैज्ञानिक सत्य के प्रदर्शन तथा पाखंड के विरोध में वे कई अभियान चला रहे हैं।

डॉ. दिनेश मिश्र ने विभिन्न स्कूल एवं कॉलेजों में विज्ञान लोकप्रियकरण एवं अंधविश्वास निर्मूलन, अंधविश्वास के दुष्प्रभाव, वैज्ञानिक दृष्टिकोण की आवश्यकता, जैसे विषयों पर व्याख्यान दिये तथा वैज्ञानकि प्रदर्शनों की श्रृंखला आरंभ की, जिससे विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति अभिरूचि बढ़ी। एन.सी.सी. और एन.एस.एस. के शिविरों में जाकर डॉ. मिश्र ने व्याख्यान व प्रदर्शन किये।

जादू टोने के आरोप मे ंमहिलाओं को टोनही व डायन के रूप में चिन्हित कर प्रताड़ित करने की घटनाओं के खिलाफ, डॉ. मिश्र कोई 'नारी टोनही नहीं' अभियान चला रहे हैं जिसमें टोनही के रूप में प्रताड़ित होने वाली अनेक महिलाओं को उन्होंने न केवल बचाया, बल्कि इस अंधविश्वास के निर्मूलन के लिये विशाल आंदोलन खड़ा कर चुके हैं। डॉ. मिश्र के कार्यों की राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने प्रशंसा की है।

डॉ. मिश्र ने सन् 1995 में अंधश्र(ा निर्मूलन समिति का गठन किया। विभिन्न टी.वी. चैनलों पर आने वाले भूत–प्रेत की घटनाओं व अविश्वसनीय घटनाओं पर आधारित धारावाहिकों से लोगों में पड़ने वाले प्रभावों के अध्ययन और उनकी राय के लिए राष्ट्रीय स्तर का सर्वेक्षण कराया। परख सहित वैज्ञानिक जागरण पर 6 किताबें डॉ. मिश्र ने लिखी जो राज्य शासन तथा साक्षरता मिशन द्वारा अनुशंसित हैं। डॉ. मिश्र ने स्वयं एक गतिविधि किट विकसित की है, जिसके माध्यम से गांवों में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। डॉ. मिश्र एक वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ भी हैं जो कि दुर्घनाग्रस्त रोगियों का मुफ्त इलाज करते हैं।

डॉ. दिनेश मिश्र

नयापारा, फूल चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़

ई–मेलः dr.dineshmishra@gmail.com

सौराष्ट्र एजुकेशन फाउंडेशन ;एस.ई.एफ.द्ध

एक पंजीकृत ट्रस्ट के रूप में सौराष्ट्र एजुकेशन फाउंडेशन की स्थापना वैज्ञानिक प्रवृत्ति के विकास, प्रयोगों और हाथ के

Dr. Dinesh Mishra receiving the award from Hon'ble Minister. Dr. D.K. Pandey Scientst (Right) assisting on the dais

scientific awareness. He has been visiting various parts of the country and organizing meetings, seminars, lectures for demonstration of scientific facts behind miracles. He has been organizing many campaigns against myths and superstion.

Dr. Dinesh Mishra delivered lectures in various schools and colleges on subjects like science popularization and superstition eradication, ill effects of superstition, necessity of scientific approach, etc. He started a series of scientific demonstrations to generate interest in science among students. Dr. Mishra visited NCC and NSS camps and organized lectures and demonstrations.

Dr. Mishra has been conducting a campaign entitled '*No Woman is a Dyne*' against incidents of harassment of women alleged to be witches. He has not only saved the lives of many women but raised nation wide awareness for eradication of superstitions. His works have been commended by the National Commission for Human Rights.

He catalyzed formation of Andh Shradha Nirmoolan Samiti in 1995. He organized a national level survey for study of impact of TV serials based on ghosts and super natural forces being telecast on different TV channels. He has authored 6 books on scientific awakening including 'Parakh' which have been recommended by CG state government and National Literacy Mission. He has developed an 'activity kit' through which he imparts training to volunteers in villages. Dr. Mishra is also a senior eye specialist who provides free treatment to patients injured in accidents.

Dr Dinesh Mishra

Nayapara, Phool Chowk, Raipur, Chhattishgarh

E-mail: dr.dineshmishra@gmail.com

Saurashtra Education Foundation

Saurashtra Education Foundation (SEF), a registered Trust, was established in 1977 with the objectives of developing

` कार्यकलापों के द्वारा छात्रों/शिक्षकों द्वारा विज्ञान सीखने और सिखाने, बच्चों और समुदाय के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने, चमत्कारों तथा अंधविश्वासों के पीछे छिपे विज्ञान को बताने के उद्देश्य के साथ वर्ष 1977 मे की गई। इसका उद्देश्य खोज–अन्वेषण–स्पर्श–बोध–हर्ष– सम्पर्क–विज्ञान–अनुभव हैं।

सौराष्ट्र एजुकेशन फाउंडेशन, राजकोट लोकप्रिय विज्ञान विषयों पर महाराष्ट्र में लोकप्रिय व्याख्यानों, फिल्म प्रदर्शनियों, स्लाइड शो और प्रदर्शनियों का आयोजन करता है।

एस.ई.एफ. 1997 से श्री ओ.वी.सेठ कम्यूनिटी साइंस सेंटर सी.एस.सी. से जुड़ गया जिनके पास विज्ञान की विभिन्न संकल्पनाओं को समझाने के लिए शिक्षण सहायक उपकरणों सहित पांच सुसज्जित प्रयोगशालाएं थीं।

यह फाउंडेशन बी.एड. छात्रों के लिए गणित सप्ताह, वैज्ञानिक, खिलौने, ओरिगामी के माध्यम से गणित सीखने आदि जैसी कार्यशालाओं को आयोजित करता है।

इनके अतिरिक्त, समय–समय पर एस.ई.एफ. द्वारा प्रशिक्षण शिविरों, स्वास्थ्य मेलों, चलती–फिरती ऊर्जा प्रदर्शनी आदि का आयोजन भी किया गया।

एस.ई.एफ. अपने एस्ट्रोनॉमी क्लबों, अंधविश्वास निर्मूलन कार्यक्रमों, अवकाश कार्यशालाओं और अन्य कार्यकलापों के माध्यम से वैज्ञानिक प्रवृत्ति का नियमित रूप से विकास कर रहा है।

सौराष्ट्र एजुकेशन फाउंडेशन

नेहरू उद्यान, रेस कोर्स, राजकोट 360001

ई–मेल: anil@kdpaccoungtants.com

पुस्तकों और पत्रिकाओं के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार

यह पुरस्कार विगत पॉच वर्षों के दौरान पुस्तकों, पत्रिकाओं, इंटरनेट आदि, के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रियकरण और/अथवा वैज्ञानिक प्रवृत्ति को प्रात्साहित करने में उत्कृष्ट योगदान देने वाली संस्था अथवा व्यक्ति को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 1,00,000 रू. एक लाख, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

scientific temper, provide learning and teaching of science to students/teachers by experiments and hands-on activities, popularize science amongst children and community; explain science behind miracles and superstition, etc. Discover-Explore-Touch-Feel-Enjoy-Interact-Experience science is the methodology adopted.

SEF organizes popular lectures, film shows, slide shows and exhibitions on popular science topics in Gujarat and Maharashtra.

Since 1997 SEF is associated with Shri O.V. Sheth Community Science Centre (CSC) and has developed five well-equipped laboratories along with teaching-aids to explain and understand various concepts of science.

Representative of SEF receiving the award Dr. M.S. Swaminathan Hon'ble MP (Rajya Sabha) and the eminent agricultural scientist who delivered the NSD talk is seen on the left

It also organizes workshops for B.Ed. students like Ganit Saptah, Scientific toys, Learning mathematics through origami, etc. Besides these students training camps, health melas, portable energy exhibition, etc., are also organized from time to time. SEF is consistently building scientific temper through its astronomy clubs, superstition eradication programmes, vacation workshops and other activities.

Saurashtra Education Foundation

Nehru Udyan, Race Course

Rajkot- 360001

E-mail: anil@kdpaccountants.com

National Award for Outstanding Effort in Science & Technology Communication through Books and Magazines

This award is presented to an individual or an institution for outstanding efforts in popularization of science & technology and/or promoting scientific temper through books, magazines, Internet, etc., during the past five years. The award comprises Rs.1,00,000/= (Rupees One Lakh), a

यह पुरस्कार **सुश्री श्रीमति हरिप्रसाद,** मैसूर व **श्री कालीशंकर,** लखनऊ को दिया जा रहा है।

सुश्री श्रीमति हरिप्रसाद

वर्ष 1936 में जन्मी सुश्री हरिप्रसाद 4 दशकों से कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एक लोकप्रिय विज्ञान संचारक के रूप में जानी जाती हैं। इनका मुख्य योगदान लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं एवं पुस्तकों के लेखन और सम्पादन के क्षेत्र में रहा है। इन्होंने सी.एफ.टी.आर.आई.के. न्यूजलैटर 'आहार विज्ञान' तथा कन्नड़ और अंग्रेजी में अन्य आउटरीच सामग्री हेतु लेखन और सम्पादन कार्य किया है। यह कर्नाटक राज्य विज्ञान परिषद के.आर.व.पी. के कार्यकलापों से भी जुड़ी हुई हैं और विगत 29 वर्षों से इसकी लेखक और सम्पादक हैं। इन्होंने ज्ञान गंगोत्री इनसाक्लोपीडिया के तीन विज्ञान खण्डों के लिए लेखन और सम्पादन कार्य किया है। विज्ञान संचार कार्य के लिए इन्होंने कल्पना चावला पुरस्कार 2003 जीता है।

वर्ष 2002–2006 के दौरान इन्होंने लगभग 50 लेखों की रचना की, 3 स्मारिकाओं राष्ट्रीय स्तर बाल विज्ञान कांग्रेस 2002, 2003 और एनटीएससी–2006, बाल विज्ञान कांग्रेस में दैनिक बुलेटिन का प्रकाशन किया, वैज्ञानिक व्याख्यानों का कन्नड़ से अंग्रेजी और अंग्रेजी से कन्नड़ में अनुवाद किया और बहुत से प्रकाशनों में अपने लेखों के माध्यम से योगदान दिया।

सुश्री श्रीमति हरिप्रसाद

2864, ![] क्रास, पप्पती रोड़

सरस्वतीपुरम

मैसूर– 570009, कर्नाटक

श्री काली शंकर

वर्ष 1945 में जन्में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन ;इसरोद्ध के एक सेवानिवृत वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री काली शंकर ने अपनी लोकप्रिय पुस्तकों के माध्यम से विशेष रूप से अन्तरिक्ष विज्ञान और अन्तरिक्ष खोजों से संबंधित विषयों पर देश में विज्ञान लोकप्रियकरण के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है। इन्होंने लोकप्रिय वैज्ञानिक लेख और सात पुस्तकें लिखी है।

memento and a citation.

The honour was bestowed on **Ms Shrimati Hariprasad**, Mysore and on **Shri Kali Shanker**, Lucknow.

Ms Sreemathi Hariprasad

Born in 1936 Ms. Hariprasad has been a popular science communicator in both Kannada and English for more than 4 decades. Her main contribution is in writing and editing of popular science periodicals and books. She has written for and edited Ahara Vignana, CFTRI Newsletter and all other outreach materials in Kannada and English. She is associated with activities of Karnataka Rajya Vignana Parishat (KRVP) for the last 29 years. She has written for and edited three Science volumes of Jnana Gangothri, (Encylopaedia). She has won Kalpana Chawla Award (2003) for her science communication work.

Ms. Sreemathi Hariprasad receiving the award from Hon'ble Minister

Between 2002-2006 she has written about 50 articles, brought out 3 souvenirs (National level NCSC-2002, 2003 and NTSC-2006), daily bulletins during NCSC, done translations Kannada to English and English to Kannada of scientific literature and has contributed articles to many publications.

Ms. Sreemathi Hariprasad

2864, II Cross, Pampapathi Road

Saraswathipuram,

Mysore- 570009, Karnataka

Shri Kali Shankar

Born in 1945, Shri Kali Shankar, a retired Senior Scientist of Indian Space Research Organization (ISRO) has contributed to the communication of science in the country, especially in the field of space science and exploration related subjects, through his popular books. He has written popular science articles and seven books during the past five years.

इन्होंने अन्तरिक्ष में जीवन हिन्दी, कविता के रूप में अन्तरिक्ष खोज ;हिन्दी अन्तरिक्ष खोजों का स्वर्णिम युग हिन्दी, विश्व की महिला अन्तरिक्ष यात्री हिन्दी, और अधिकतम आयु वाले 20 अन्तरिक्ष यात्री ;हिन्दीद्ध जैसी बहुत सी पुस्तकों की रचना की है। श्री काली शंकर ने देश की विभिन्न लोकप्रिय पत्रिकाओं में 55 लेख भी लिखे हैं। इनमें से जिसमें कुछ प्रमुख पत्रिकाएं हैं: कादम्बिनी, आविष्कार, विज्ञान प्रगति, इलैक्ट्रानिक फार यू, इलैक्ट्रोनिकी आप के लिए, जूनियर साइंस रिफ्रेशर।

श्री काली शंकर

के–1058, आशियाना कालोनी

कानपुर मार्ग

लखनऊ– 226012

बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

यह पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लोकप्रियकरण और/अथवा बच्चों के बीच वैज्ञानिक अभिरूचि को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट कार्य के लिए उस व्यक्ति अथवा संस्थान को दिया जाता है। जिसका पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में सर्वाधिक प्रभाव रहा। पुरस्कार में 1,00,000/– एक लाख रुपये, स्मृति चिह्न तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

यह पुरस्कार डॉ. रणसिंह निर्मलेन्दु राय, भुवनेश्वर व श्री नीरद, पटना को दिया जा रहा है।

डॉ. रणसिंह निर्मलेन्दु राय

1952 में जन्मे डॉ. रणसिंह निर्मलेन्दु राय प्रमुख भौतिकविद् हैं तथा के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के रजिस्ट्रार के रूप में कार्यरत हैं। वे उड़ीसा भारत जन विज्ञान जत्था 1987, भारत ज्ञान विज्ञान जत्था 1989, भारत जन ज्ञान विज्ञान जत्था;1992 साक्षरता अभियान के आयोजक रहे।

पिछले कई वर्षों से वे उड़ीसा के लिए बाल विज्ञान कांग्रेस तथा वैज्ञानिक जागरूकता वर्ष–2004 के राज्य समन्वयक थे। उन्होंने उड़ीसा के सभी 30 जिलों में स्कूल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. राय ने 'अपना पर्यावरण जानो', 'किचन गार्डन', 'शौकिया

Shri Kali Shanker *being felicitated by Hon'ble Minister*

Some of these are : Life in Space (Hindi), Space Exploration in Poetry Form (Hindi), Golden Age of Space Exploration (Hindi), Women Astronauts of the World (Hindi) and 20 astronauts of Highest Ages (Hindi). Mr. Kali Shanker has written 55 articles in various popular magazines like Kadambini, Aavishkar, Vigyan Pragati, Electronics for You, Electroniki Aap Ke Liye, Junior Science Refresher.

Shri Kali Shanker

K-1058, Aashiana Colony

Kanpur Road

Lucknow- 226012

National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Popularization among Children

This award is presented to an individual or an institution for outstanding work in popularization of science & technology and/or promotion of scientific temper among children which has had the widest impact in the country during the past five years. The award consists of Rs.1,00,000/- (Rupees One Lakh), a memento and a citation.

The honour has been bestowed on Dr. Ransing Nirmalendu Ray, Bhubaneswar and on Shri Neerad, Patna.

Dr Ransing Nirmalendu Ray

Born in 1952 and presently serving as the Registrar, KIIT-Univeristy, Bhubaneshwar, Ransing Nirmalendu Ray is an eminent physicist. He was organizer of Bharat Jan Vigyan Jatha (1987), Bharat Gyan Vigyan Jatha (1989), Bharat Jan Gyan Vigyan Jatha (1992) and Literacy Campaign in many districts of Orissa.

He is the State Coordinator of National Children's' Congress for Orissa for the last several years. For Year of

Continued on page 17.....

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्
नेशनल कौंसिल फॉर साइंस एंड टैक्नॉलोजी कम्यूनिकेशन
रा.वि.प्रौ.सं.प. वर्ष 2008 के लिए निम्नलिखित पुरस्कारों हेतु नामांकन आमंत्रित करती है:

(i)	**विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार**	**दो लाख रुपये**
(ii)	**पुस्तकों और पत्रिकाओं के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार**	**एक लाख रुपये**
(iii)	**बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार**	**एक लाख रुपये**
(iv)	**लोकप्रिय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी साहित्य के अनुवाद में उत्कृष्ट प्रयास के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार**	**एक लाख रुपये**
(v)	**प्रिंट मीडिया में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार**	**एक लाख रुपये**
(vi)	**इलेक्ट्रानिक माध्यम में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार**	**एक लाख रुपये**

ये पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का प्रसार तथा लोगों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए गए उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता देने के लिए शुरू किए गए हैं। जिन व्यक्तियों/संस्थानों ने पिछले पांच वर्षों के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रसार के क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया है, इन पुरस्कारों के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सकता है। ये पुरस्कार वर्ष 2009 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर घोषित किए जाएंगे।

पात्राता सहित विस्तृत विवरण:

क इस योजना में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, अर्थात् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग/वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग/जैव प्रौद्योगिकी विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को छोड़कर सभी निवासी भारतीय नागरिक/भारत में पंजीकृत संस्थाएं भाग ले सकते;तीद्ध हैं।

ख इन पुरस्कारों के लिए गत पांच वर्षों अर्थात् 2003 और उसके पश्चात् में किए गए उत्कृष्ट कार्यों/प्रयासों/उपलब्धियों पर विचार किया जाएगा।

ग यदि किसी पुरस्कार के लिए एक से अधिक व्यक्तियों/संस्थानों का चयन किया जाता है तो ऐसी स्थिति में पुरस्कार की राशि उनमें बराबर बांटी जा सकती है।

घ सीधे प्राप्त आवेदन पत्रों अथवा स्वनामांकनों पर विचार नहीं किया जाएगा। नामांकन केवल निर्धारित प्रारूप में ही किए जा सकते हैं।

नामित करने के लिए पात्रा व्यक्ति:

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के प्रमुख, विद्वत् विज्ञान एवं इंजीनियरिंग संस्थाओं के अध्यक्ष, केन्द्रीय और राज्य सरकारों में विभागों के अध्यक्ष, पंजीकृत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित स्वैच्छिक संगठनों की संस्थाओं के अध्यक्ष तथा वे विज्ञान संचारक जिन्हें पहले इन पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

सामान्य नियम तथा शर्तें:

1. क पुरस्कार के लिए प्रासंगिक नवीन उपलब्धियों के बिना इन पुरस्कारों के लिए पिछले वर्षों में प्राप्त प्रविष्टियां अनुमेय नहीं होंगीं।
   ख राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को पुरस्कार के लिए पात्र चुनने और इस प्रकार के चुनाव के लिए नियम बनाने का एकमात्र अधिकार होगा।
   ग किसी भी रूप में सिफारिश कराने वाले व्यक्ति को अयोग्य करार दिया जाएगा।
   घ पुरस्कार के पात्र उम्मीदवारों के चयन अथवा चयन प्रक्रिया के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं किया जाएगा।
2. क प्रत्येक पुरस्कार के लिए प्रख्यात व्यक्तियों की एक चयन समिति पुरस्कार के पात्र व्यक्तियों के नामों की सिफारिश करेगी।
   ख परिषद् का निर्णय हर प्रकार से अंतिम माना जाएगा और उसके बारे में किसी भी प्राधिकारी को अपील नहीं की जा सकेगी।
   ग यदि चयन समिति उपयुक्त समझे तो संबंधित पुरस्कारों के लिए किसी भी पात्र व्यक्ति अथवा पात्र संस्थान के नाम की सिफारिश करने का निर्णय ले सकती है, भले ही उस व्यक्ति अथवा संस्था को पुरस्कार के लिए नामित न किया गया हो।

3. पुरस्कार के लिए चुने गए व्यक्तियों को डाक से तथा कुछ चुने हुए समाचार पत्रों में घोषणाओं के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

4. प्रत्येक पुरस्कार विजेता से एक व्याख्यान और तीन लोकप्रिय व्याख्यानों की अपेक्षा होगी। व्याख्यान के लिए स्थान और समयकी सूचना बाद में दी जाएगी।

5. नामांकन के लिए विचारार्थ प्रस्तुत की गयी सारी सामग्री/पटकथा/खिलौने /किट वापस नहीं किए जाएंगे।

अंतिम तारीख

पूरी तरह से भरे गए नामांकन प्रपत्र **प्रमुख, राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, टैक्नॉलोजी भवन, नया महरौली मार्ग, नई दिल्ली–110016** के पास **15 अक्टूबर, 2008** तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। किसी भी रूप में अधूरे नामांकन प्रपत्र, जिनके साथ अपेक्षित सूचनाएं संलग्न नहीं होंगी अथवा जो अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होंगे, अस्वीकृत कर दिए जाएंगे।

निर्धारित शब्द सीमा के अंदर नामांकन और सारांश पत्रा जमा करने के लिए अनुदेशः

1 अनुरोध है कि नामांकन केवल तभी भेजा जाए जब नामक नामिती के कार्यों और उसकी उपलब्धियों से पूरी तरह परिचित हो।

2 कृपया सारांश पत्र की 20 प्रतियाँ कार्यालय के लिये भेजिये।

3 निर्धारित शब्द सीमा के भीतर क्रमशः नामांकन प्रपत्र और सारांश पत्र में नामिती का पूर्ण विवरण और सारांश प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

4 कृपया ए4 आकार के कागज पर काली स्याही से नामांकन ;सभी पृष्ठद्ध टाइप अथवा कम्पोज• करें ;स्कैनिंग और फोटोकॉपी में आसानी के लिएद्ध।

5 कृपया सारांश पत्र बहुत सावधानी पूर्वक भरें ;सुझाव है कि यह काम नामांकन के लिए विस्तृत आधार तैयार करने के बाद किया जाएद्ध।

6 विभिन्न नामित व्यक्तियों के बीच आपसी तुलना को सरल बनाने के लिए, यदि संभव हो तो नामित व्यक्तियों की उपलब्धियों ;नामांकन का आधारद्ध को नामांकन प्रपत्र तथा सारांश पत्र दोनों में निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करें।

क उच्चतम तकनीकी/व्यावसायिक/शैक्षिक योग्यता

ख प्रकाशित कार्य/विकसित शिक्षण/लोकप्रियकरण सामग्री/गतिविधि किट/चार्ट, मैनुअल, आदि ;केवल एक सैटद्ध।

ग पदेन कार्य के अतिरिक्त प्रमुख उपलब्धियां।

घ कार्य का प्रभाव/पहुंच

....

नामांकन प्रपत्र

नामिती का नाम :

जन्म तिथि :

पता ;पिन कोड सहितद्ध :

ई–मेल :

1 नामित व्यक्ति के कार्यों के देशव्यापी प्रभाव और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कवरेज• में योगदान के संबंध में विवरण सहित नामांकन का आधार। 2000 शब्दों के भीतरद्ध

2 संलग्नकों का विवरण

तारीख : नामक के हस्ताक्षर

स्थान : पदनाम और पता

...Back-Index

RASHTRIYA VIGYAN EVAM PRODYOGIKI SANCHAR PARISHAD
(NATIONAL COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION)

Invites

Nominations for the following awards for the year 2008:

- **i. National Award for Outstanding Effort in Science & Technology Communication** ***(Rupees Two Lakhs)***
- **ii. National Award for Outstanding Effort in Science & Technology Communication through Books and Magazines** ***(Rupees One Lakh)***
- **iii.National Award for Outstanding Effort in Science & Technology Popularization among Children** ***(Rupees One Lakh)***
- **iv. National Award for Outstanding Effort in Translation of Popular Science & Technology Literature** ***(Rupees One Lakh)***
- **v. National Awards for Outstanding Effort in Science and Technology Communication in the Print Medium** ***(Rupees One lakh)***
- **vi. National Award for Outstanding Effort in Science and Technology Communication in Electronic Medium** ***(Rupees One Lakh)***

These awards have been instituted to recognise outstanding efforts aimed at communicating science and technology and promoting a scientific attitude among people. Individuals/institutions who have made extraordinary contributions in the field of science and technology communication over the last five years will be considered for these awards. These awards will be announced on the National Science Day 2009.

DETAILS INCLUDING ELIGIBILITY CRITERIA:

a. This scheme is open to resident Indian citizens/institutions registered in India, except those individuals who are employed in the Departments of Science and Technology, Scientific and Industrial Research and Biotechnology.

b. For these awards outstanding work, efforts and achievements of the past five calendar years (2003 onwards) will be considered.

c. If more than one individual/institution is selected for an award, the amount of that award may be shared equally among them.

d. Direct applications or self-nominations will not be considered. Nominations can be made only in the specified format.

PERSONS ELIGIBLE TO NOMINATE: Heads of national science academies, Presidents of professional science & engineering societies, Vice Chancellors of Universities, Directors of research laboratories, Heads of Departments in central and state governments, Chairmen of registered societies of S&T based voluntary organizations and science communicators who have been honoured with these awards in previous years.

GENERAL TERMS AND CONDITIONS:

1. (i) Entries received on earlier occasions for these awards will not be admissible without fresh accomplishment(s) relevant to the award.
   (ii) RVPSP/DST will have the sole right to select the awardees and formulate rules governing such selection.
   (iii) Canvassing in any form will be a disqualification.
   (iv) No correspondence will be entertained regarding the selection of the awardees or the selection procedure.
2. (i) A selection committee consisting of eminent persons will recommend names for the awards.
   (ii) The decision shall be final and binding in all respects.
   (iii) The committee may, if it deems fit, decide to recommend, the name of an individual or an institution for an award, even if he/she/it has not been nominated for the same.

3. Awardees shall be intimated by post and through selected newspaper announcements.
4. Each award winner will be expected to deliver an oration and three popular lectures within the next twelve months at a place and venue to be intimated.
5. All materials/scripts/toys/kits submitted for consideration of the nomination are non-returnable.

LAST DATE: Nomination form duly completed in all respects may be sent to **Head, Rashtriya Vigyan Ewam Prodyogiki Sanchar Parishad, Department of Science & Technology, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016**, so as to reach him on or before **October 15, 2008.** Nomination forms, incomplete in any way, unaccompanied by the requisite information or received after the last date will be summarily rejected.

Instructions for submitting the nomination and the abstract sheet, within the word limit prescribed:

1. It is requested that nominations may be sent where nominator is fully aware of the work and achievements of the nominee.
2. It is further requested abstract sheet should be submitted in original along with 20 photo copies for office use.
3. Full details and abstract may be furnished in the nomination form and abstract sheet respectively, within the word limit specified.
4. Please type or compose the nomination (all pages) on A4 size paper using black colour ink (for ease in scanning and photocopying)
5. Please complete the "ABSTRACT SHEET" very carefully (It is suggested that this may be done after preparing the detailed basis for nomination)
6. In order to assist comparison of different nominees, achievements (basis of nomination) may please be given under the following heads both in the nomination form and abstract sheet, if possible:

i) Highest technical/professional/academic qualification;
ii) Only one set of published translated works/ teaching & popularisation aids developed/ activity kits, charts, manuals, etc., may be submitted;
iii) Major achievements beyond official capacity;
iv) Impact of work/reach.

....

NOMINATION PROFORMA

Name of the Nominee:

Date of Birth:

Address with PIN Code:

e-mail:

1. Basis of nomination including statement on the countrywide impact and contribution to S&T coverage of the nominee (in 2000 words or less)
2. Details of enclosures, if any.

Date:

Place: Signature of the nominator

Designation & Address

ABSTRACT SHEET

Recent Photograph of nominee

Name of nominee:

Designation (if employed):

Address with pincode:

Telephone: Fax: e-mail id:

Brief achievements of the nominee during the period 2003 to 2007 (in 200 words)

FOR OFFICE USE

Remarks:

Date of receipt Category R.No:

Brief resume of the nominator:

(in 200 words)

__________________________ is recommended for the National Award for __________________________________

____

Date:

Place: Nominator's Signature:

Nominator's Name:

Address with pincode:

Phone & Fax:

email id:

...Back-Index

सारांश पत्र

नामिती का नाम

पदनाम ;यदि नियुक्त होद्ध

पता, पिनकोड सहित

टेलीफोनः फैक्स : ई–मेल :

नामिती का
हाल ही मे
लिया गया फोटो

वर्ष 2003 से 2007 के बीच में नामिती की उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण 200 शब्दों में

कार्यालय उपयोग के लिए

टिप्पणियां :

प्राप्ति तारीख श्रेणी पं.सं.

नामक का संक्षिप्त जीवनवृत

(200 शब्दों में)

राविप्रौसंप के ------------------------ पुरस्कार के लिये --

---------------------------------- की संस्तुति की जाती है

तारीख :

स्थान :

नामक के हस्ताक्षर

नामक का नाम

पता पिनकोड सहित

फोन नं.:

फैक्स नं.:

ई-मेल:

...Back-Index

पृष्ठ 8 से आगे

पौधारोपण', 'आपदा प्रबंधन', आदि जैसे कार्यक्रम किए, जो स्कूल बच्चों के बीच लोकप्रिय रहे।

डॉ. रणसिंह निर्मलेन्दु राय

रजिस्ट्रार, के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर–24

टेलीफैक्सः

0674–2725481

ई–मेलः rnray@rediffmail.com

श्री नीरद

1968 में जन्में श्री नीरद ललित कला स्नातक हैं और विज्ञान की इनकी कोई पृष्ठभूमि नहीं रही। श्री नीरद वर्ष 1976 से विज्ञान कार्टूनिंग व लेखन कर रहे हैं। उनके द्वारा कई चित्रकला श्रृंखलाएं रची गई जैसे 'सुनो कहानी वैज्ञानिक महान की' जो कि लगातार शीर्षस्थ बाल पत्रिका सुमन सौरभ में प्रकाशित हुई। इसी तरह 'विज्ञान की शान ये वैज्ञानिक महान' 'प्रेरक प्रसंग वैज्ञानिकों के संग' 'दास्तां ए वैज्ञानिक महान' इत्यादि कई चित्र कथाएं पत्र–पत्रिकाओं में छपती रहती हैं।

इसके अतिरिक्त श्री नीरद 'चंपक', 'सुमन सौरभ', 'बाल भारती' और 'नन्हें सम्राट' जैसी बाल पत्रिकाओं के लिये लेखन व चित्रांकन करते हैं।

विज्ञान जागरूकता वर्ष–2004 में भी श्री नीरद ने विभिन्न संस्थाओं के झंडे तले लगभग 60 विज्ञान पोस्टरों की रचना की। श्री नीरद पोलियो, विटामिन–ए, अनीमिया, टीकाकरण, गर्भावस्था में देख–भाल, स्वच्छता आदि कई स्वास्थ्य विषयों के 'आई.ई.सी.' सामग्री के डिजाइनर हैं।

श्री नीरद अपने चित्रों के माध्यम से विज्ञान को एक सार्थक दिशा देने में कामयाब हैं।

श्री नीरद

साकेत विहार,

अनीसाबाद,

पटना– 800002

फोनः 0612–2250656.

Dr Ransing Nirmalendu Ray receiving the award

Scientific Awareness - 2004 he organized school level programmes in all the 30 districts of Orissa. Dr. Ray initiated programmes like "Know your environment", "Kitchen Garden", "Plantation as a hobby", "Disaster Management", etc., which were popular among school children.

Dr Ransing Nirmalendu Ray Registrar, KIIT University

Bhubaneswar- 24

Telefax: 0674-2725481

E-mail: rnray@rediffmail.com

Shri Neerad

Born in 1967, Shri Neerad is a graduate in Fine Arts. He is associated with science cartooning and writing since 1976. He has composed many episodes of picture arts such as 'Suno Kahani Vigyan Mahan Ki' that have been published in 'Suman Saurabh'. Similarly he has composed many articles such as 'Vigyan ki Shaan ye Vaigyanik Mahan', 'Prerak Prasang Vaigyanik Ke Sang', 'Dastan-e-Vaigyanik Mahan', etc. which have been published in many magazine.

Besides, Sh. Neerad is associated with writing and cartooning in 'Champak', 'Suman Saurabh' 'Baal Bharti' 'Nanhe Samrat', etc. In the Year of Scientific Awareness 2004 he has prepared science posters (about sixty) under the aegis of various institutions. Sh. Neerad is also the designer information & education material relating to many health topics like polio, vitamin-A, anemia,accination,tion, etc.

Sh. Neerad is highly successful in giving purposeful direction to science through his cartoons and pictures.

Shri Neerad poses with the award and scroll

Shr Neerad

Saket Vihar,

Anisabad

Patna-800002

Phone- 0612-2250656.

प्रंट माध्यम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार तथा/ अथवा वैज्ञानिक अभिरूचि के संवर्धन में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए किसी संवाददाता अथवा संस्थान को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 1,00,000 रुपये एक लाख रुपय एक प्रतीक चिह्न तथा एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

यह पुरस्कार **डिस्कवरी**, हैदराबाद व **सुश्री रीमा नरेन्द्रन**, तिरूवनन्तपुरम को दिया जा रहा है

डिस्कवरी

विज्ञान पत्रिाका

वर्ष 2000 में प्रारम्भ तेलुगु विज्ञान पत्रिका, डिस्कवरी 3000 प्रतियों के प्रसार के साथ प्रारंभ की गई थी जिसकी प्रसार संख्या अब 1.25 लाख तक पहुँच गई है। यह पत्रिका हिन्दी और अंग्रेजी में भी प्रकाशित की जाती है।

डिस्कवरी आंध्र प्रदेश और कई अन्य राज्यों के सभी स्कूलों में उपलब्ध कराई जाती है। पशु जगत, पर्यावरण और वानिकी, विकास, जल और स्वच्छता, आधुनिक और प्राचीन भारतीय विज्ञान में नवोन्मेष तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवीनतम विकास को डिस्कवरी पत्रिका में प्रमुख स्थान दिया जाता है।

इस समूह द्वारा डिस्कवरी 'माइलस्टोन ऑफ साइंस' तथा 'डिस्कवरी आइकॉन्स ऑफ टवेनटीएथ संेचुरी 100 हू हैव मेड–ए डिफरेंस' नामक दो पुस्तकों तथा प्रत्येक वर्ष विचारोत्प्रेरक विज्ञान कैलेन्डर का प्रकाशन किया है।

डिस्कवरी

विज्ञान पत्रिकाद्ध

113 अमरूथा विले,

सोमाजीगुडा,

हैदराबाद

ई–मेलः dsrdiscovery@rediffmail.com

National Awards for Outstanding Effort in Science and Technology Communication in the Print Medium

This award is presented to an individual correspondent or a media organization/institution for outstanding efforts in communication of science & technology and/or promotion of scientific temper through print media during the past five years. The award comprises Rs.1,00,000/= (Rs. One Lakh), a memento and a citation.

Discovery, Hyderabad and **Ms. Reema Narendran**, Thiruvanthapuram have been honoured with this award, in 2008.

DISCOVERY

(Science Magazine)

Discovery, Telugu Science Magazine, started in the year 2000 with a circulation of 3000 copies and has now reached a figure of 1.25 lakh. The magazine is also published in Hindi and English.

Sh. D. Sriniwas Reddy, Chief Editor Discovery receiving the award

Discovery reaches all schools of Andhra Pradesh and many other States. Animal world, environment & forestry, evolution, water and sanitation innovations in modern and ancient Indian science and latest advancements in science & technology are the major thrust areas of this publication.

The group has published two books 'Milestones of Science' and 'ICONS of 20th Century's - 100 who have made a difference'. Discovery also publishes thought provoking science calendars every year.

Discovery

(Science Magazine)

113, Amrutha Ville, Somajiguda,

Hyderabad- 500082

E-mail: dsrdiscovery@rediffmail.com

सुश्री रीमा नरेन्द्रन

वर्ष 1970 में जन्मी सुश्री रीमा नरेन्द्रन ने केरल विश्वविद्यालय से आनुवांशिकी और पादप संवर्धन में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। इन्होंने शुरूआती वर्षों में एक अनुसंधानकर्ता के रूप में कार्य किया और स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाया। बाद में इन्होंने न्यू इण्डिन एक्सप्रेस में विज्ञान पत्रकार के रूप में कार्य किया।

वर्तमान में सुश्री नरेन्द्रन न्यू इंडियन एक्सप्रेस की वरिष्ठ पत्रकार/उप–सम्पादक के रूप में कार्य कर रही हैं और समाचार पत्र के सिटी सप्लीमेंट के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों का कार्य संभाल रही हैं।

सुश्री नरेन्द्रन के दृश्य मीडिया क्षेत्र के कार्य अनुभव में एन.सी.एस.टी.सी. द्वारा प्रायोजित विज्ञान श्रृंखला मानवोदयम के पटकथा लेखन के कार्य भी शामिल हैं। इन्होंने एम 4 एन ट्रायल्स नामक श्रृंखला के लिए उत्कृष्ठ न्यूज रिपोटिंग हेतु वी.के. कृष्णामूर्ति पुरस्कार– 2006 जीता है। विवादास्पद कैंसर औषधि ट्रायल पर इन्होंने सबसे पहले समाचार दिए।

इन्होंने मानव जीनोम परियोजना के प्रोफेसर रूडी बेलिंग, प्रख्यात गणितज्ञ जार्ज गिवर्गीज जोसेफ और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के कैंसर जीव वैज्ञानिक अजीत वर्कय जैसे बहुत से प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों का साक्षात्कार भी लिया है।

सुश्री रीमा नरेन्द्रन

वरिष्ठ पत्रकार

दी न्यू इंडियन एक्सप्रेस

उन्नीथन लेन, षष्ठमंगलम–पो,ओ.,

तिरूवनन्तपुरम– 695010

दूरभाष : 91–471–2728530

फैक्स: 91–471–2729379

ई–मेल: reemanarendran@yahoo.com

इलैक्ट्रॉनिक माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

यह पुरस्कार विचाराधीन अवधि के दौरान रेडियो और/ अथवा टेलीविजन मीडिया के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार और/ अथवा वैज्ञानिक प्रवृत्ति के प्रोत्साहन में उत्कृष्ट प्रयास करने वाले किसी स्वतंत्र पत्रकार अथवा संस्थान को प्रदान किया जाता है।

Ms. Reema Narendran

Born in 1970, Ms. Reema Narendran did her Masters in Genetics and Plant Breeding from University of Kerala. She spent her early years as a researcher and taught post-graduate students. Later she became science journalist with the New Indian Express.

Presently, Ms. Narendran is serving as Senior Reporter/ Sub-Editor of this daily and handles S&T related issues for the city supplement.

Ms. Narendran's experience with visual media includes writing scripts for the science series, Manavodayam, a RVPSP sponsored programme in Malayalam. She won V.K.Krishnamoorthy Award 2006 for best news report for the series tited 'M4N trials'. She was the first to break the story on a controversial cancer drug trial.

She has interviewed many internationally renowned scientists such as Prof. Rudi Balling of the Human Genome Project, renowned mathematician George Gheevarghese Joseph and Ajit Varkey, Cancer Biologist at the Unviersity of California.

Ms Reema Narendran is all smiles as she receives the award

Ms Reema Narendran

Sr. Reporter

The New Indian Express,

Unnithan Lane

Sasthamangalam-P.O.,

Thiruvananthapuram- 695010

Ph: 91-471-2728530,

Fax: 91-471-2729379

E-mail: reemanarendran@yahoo.com

National Award for Outstanding Efforts in Science and Technology Communication in Electronic Medium

This award is presented to an individual correspondent or a media organization/institution for outstanding efforts in communication of science & technology and/or promotion of scientific temper through radio and/or television media during the period under consideration. The award

पुरस्कार के अन्तर्गत 1,00,000 रूपये एक लाख रुपये, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

यह पुरस्कार **श्रीमती सुमंगला एस. मुम्मिगट्टी**, बंगलौर व **डॉ जगदीप सक्सेना**, नई दिल्ली को दिया जा रहा है।

श्रीमती सुमंगला एस. मुम्मिगट्टी

1964 में जन्मी श्रीमती सुमंगला एस. मुम्मिगट्टी अभी आकाशवाणी, बंगलौर में ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव ;विज्ञान रिपोटिंगद्ध के रूप में कार्यरत हैं। श्रीमती सुमंगला एस. मुम्मिगट्टी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर विशेष रूप से युवाओं, किसानों, औद्योगिकी कामगारों तथा बच्चों पर 1000 से अधिक रेडियो कार्यक्रम तैयार किये तथा उन्हें प्रस्तुत किया। उन्होंने 'रेडियो स्कोप दि नेशनल साइंस मैगजीन' नामक राष्ट्रीय स्तर के प्रसारण किया गया था, को भी तैयार किया तथा उसे प्रस्तुत किया। उन्होंने 'विज्ञान यान', विशेष रेडियो धारावाहिकों की रचना की तथा उनको प्रस्तुत किया। ये कार्यक्रम जैव विविधता, कर्नाटक का वन्य जीवन, विज्ञान प्रौद्योगिकी का विकास और पर्यावरणीय संरक्षण आदि जैसे विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं। उन्होंने ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों और ऊर्जा संरक्षण पर 'लाइव फोन इन प्रोग्राम्स' का भी सम्पादन किया। उन्होंने वैज्ञानिक विषयों पर भी अनेक व्याख्यान दिये।

1मय–समय पर उन्हें उनके कार्य के लिए अनेक पुरस्कार मिले। उनमें से कुछ 'चन्द्रयान 2004' – चन्द्रमा पर अनुसंधान और जानकारी प्राप्त करने संबंधी सर्वोत्तम रेडियो कथारूपक, मंगलाना अंगलाडल्ली–2005 और 'कल्ना साक्षी' हैं।

श्रीमती सुमंगला एस. मुम्मिगट्टी

संचारण कार्यकारी

आकाशवाणी

राजभवन रोड

बंगलौर– 560001

फोन: 080–22268151

ई–मेल: s.mummigatti@gmail.com

comprises Rs.1,00,000/= (Rs. One Lakh), a memento and a citation.

Ms. Sumangala S Mummigatti, Bangalore and **Dr. Jagdeep Saxena**, New Delhi have been honoured with this award this year.

Smt. Sumangala S. Mummigatti

Born in 1964. Smt. Sumangala S. Mummigatti is presently serving as the Transmission Executive (Science Reporting) at All India Radio, Bangalore. Smt. Mummigatti has devised and produced more than 1000 radio programmes on Science & Technology especially for youth, farmers, industrial workers and children. She has also produced the prestigious flagship science programme of AIR at the National level titled 'Radio Scope-the National Science Magazine' which was broadcast from All India Radio, Delhi. She has scripted and produced special radio serials titled 'Vignana Yana', 'Dhareya Siri', 'Vanya Jeevangala Ramya Loka', 'Pakshir Uli', 'Navhoyana', 'Akshaya'. These programmes are based on various aspects of science like bio-diversity, wildlife of Karnataka, development of science technology and environmental conservation, etc. She edited "Live Phone-in Programmes" on renewable sources of energy and energy conservation. She has also delivered many lectures on scientific topics.

Smt. Sumangala S. Mummigatti receiving the award

From time to time, she has received many awards and accolades for her works-to name a few 'Chandrayana 2004 – for best radio feature dealing with research findings on Moon, 'Mangalanna Angaladalli' – 2005 and 'Kalna Sakshi'.

Ms. Sumangala S. Mummigatti

Transmission Executive

All India Radio, Rajbhavan Road,

Bangalore- 560 001

Ph: 080-22268151,

E-mail: s.mummigatti@gmail.com

डॉ. जगदीप सक्सेना

1956 में जन्में डॉ. जगदीप सक्सेना अभी कृषि सूचना एवं प्रकाशन निदेशालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली में सहायम सम्पादक हिन्दी के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. जगदीप सक्सेना ने भू–विज्ञान में एम.एस.सी. करने के पश्चात् इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की।

वह एक बहुआयामी लेखक हैं जिन्होंने कृषि सहित बहुत से वैज्ञानिक विषयों पर समाचार पत्रों व पत्रिकाओं के लिये लिखा है। साथ ही बहुत से विज्ञान पर आधारित रेडियो सीरियल व फिल्मों के लिये लेखन दिया है। डॉ. सक्सेना को ऑल इंडिया रेडियो व एफ. एम. रेडियो पर लोकप्रिय विज्ञान वार्ताओं के लिये आमंत्रित किया जाता है। विज्ञान के प्रति इनके योगदान को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों द्वारा सराहा गया है।

डॉ. जगदीप सक्सेना
कृषि सूचना एवं प्रकाशन निदेशालय
के.ए.बी–५, पूसा, नई दिल्ली– 110012ए
फोन: 25843657ए
ई–मेल: netjagdeep_44@rediffmail.com

Dr. Jagdeep Saxena

Born in 1956. Dr. Jagdeep Saxena is presently working as Assistant Editor (Hindi) at Directorate of Information & Publications, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi. He did his M.Sc.and Ph.D. from Allahabad University, Allahabad.

Dr Jagdeep Saxena receiving the award

He is a versatile writer and has contributed on a range of subjects including agriculture to various newspapers and magazines. He has developed scripts for many science radio serials and documentary films that have been well received. He is frequently invited to give popular talks on AIR and FM Radio. His contributions have been recognized through many prestigious national awards.

Dr Jagdeep Saxena
Directorate of Information & Publication of Agriculture
KAB-I, Pusa, New Delhi- 110012,
Ph: 25843657,
E-mail: netjagdeep_44@rediffmail.com

Ignited Minds-II

A TV serial based on innovative projects of the *Children's Science Congress* will be telecast on DD-I from 21.06.2008 on every Saturday at 12.30 PM

Do not miss

Question for viewers after every episode!

Attractive gifts and prizes for selected winners.

...Back-Index

गतिविधि–परिक्रमा

विज्ञान प्रेरणा कार्यक्रम

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़, उत्तराखंड ने 3 से 8 मार्च 2008 तक पिथौरागढ़ में प्रतिभाशाली विज्ञान छात्रों के लिए एक विज्ञान प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया। जिले के विभिन्न पांच विद्यालयों से 25 छात्रों का चयन किया गया। अनेक विषय विशेषज्ञों ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें विभिन्नविषयों में ऊंचे अध्ययनों तथा अनुसंधान की प्रेरणा प्रदान की। इसके विवरण नीचे दिए गए हैं।

Science Motivational Programme

Government Postgraduate College, Pithoragarh, Uttarakhand organized a science motivation programme for talented school students during 3-8 March, 2008 at Pithoragarh. 25 students from the district were selected from five different schools. Many subject area experts interacted with the students and conveyed the excitement of advanced studies and research in different streams. Details are given below.

Dr. Vandana Pandey interacting with the participants

One of the participant putting forth her queries to the engineers of Tehri Hydro Project

विषय	विशेषज्ञ
जर्मप्लाज्म संरक्षण पौध – संरक्षण	डा. वन्दना पाण्डेय, रक्षा कृषि अनुसंधान प्रयोगशाला, पिथौरागढ़
ऊतक संवर्धन तकनीक के संदर्भ में मशरूम की खेती	डा. पी.एस. नेगी
ग्रीनहाउस प्रौद्योगिकी और संरक्षित दशाओं के अधीन सब्जियों का उत्पादन। उत्तराखंड में मछली पालन और इसका भविष्य	श्री सी. एस. नेगी, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़
जीन परिवर्धित किस्म की सब्जियों का विकास	डा. एम.सी. जोशी
हाइड्रोपोनिक्स	डा. त्रिभुवन पंत
पहाड़ों में चारा घास उत्पादन	श्री ए.के. विस्वास
औषधीय पौध संरक्षण	डा. हेमंत पाण्डेय, रक्षा कृषि अनुसंधान प्रयोगशाला, पिथौरागढ़

इस कार्यक्रम के दौरान सामूहिक चर्चा, निबंध लेखन और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें भाग लेने वालों ने प्रयोगशालाओं, परियोजनाओं, रक्षा कृषि अनुसंधान प्रयोगशाला और धौली गंगा नदी परियोजना ;एनएचपीसीद्ध तपोवन के अध्ययन दौरे भी किए। छात्रों ने विभिन्न विश्लेषणात्मक यंत्रों जैसे तरलगैर क्रोमेटोग्राफ, इन्क्यूबेटर्स, यीवी चैम्बर, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर्स आदि की कार्य प्रणाली की जानकारी भी प्राप्त की। इस कार्यक्रम का उत्प्रेरण एवं समर्थन राविप्रौसंप, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा किया गया। श्री चंद्र सिंह नेगी, प्रवक्ता, जीविविज्ञान विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़, उत्तराखंड ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

During this programme there were group discussions, essay writing and quiz competitions. The participants had study visits of laboratories and project including Defence Agricultural Research Laboratory Dhuali Ganga River Project (NHPC), Tapowan. The students got an exposure about the working of various analytical instruments like: Gas liquid chromatographs, incubators, UV chamber, spectrophotometers, etc. The programme was catalyzed and supported by RVPSP, DST, New Delhi. The programme was coordinated by Shri Chandra Singh Negi, Lecturer, Department of Zoology, Government P.G. College, Pithoragarh, Uttarakhand.

Inviting Active Scientists!

The **96th Indian Science Congress** will be hosted by the North-Eastern Hill University (NEHU), Shillong from 3rd to 7th January 2009 on the focal theme **''Science Education and Attraction of Talent”**.

The biggest annual scientific event in the country, the Science Congress will be attended by around 5000 delegates including renowned Indian and foreign scientists. As per the announcement, some Nobel laureates will also attend the Congress and deliver lectures.

There will be a panel discussion on **“Technological and Societal Responses to Climate Change”.** Scientific exhibitions by leading scientific organizations will be one of the major attractions. A Children’s Science Congress will also be organized during this mega event.

There are now fourteen sections namely Agriculture and Forestry Sciences, Animal, Veterinary and Fishery Sciences, Anthropological and Behavioural Sciences (including Archaeology and Psychology & Educational Sciences), Chemical Sciences, Earth System Sciences, Engineering Sciences, Environmental Sciences, Information and Communication Science & Technology (including Computer Sciences), Material Sciences, Mathematical Sciences (including Statistics), Medical Sciences (including Physiology), New Biology (including Biochemistry, Biophysics & Molecular Biology and Biotechnology), Physical Sciences, Plant Sciences and one Committee Science & Society.

To encourage scientists, the Indian Science Congress Association has introduced a number of prizes for **Best Poster** presentation in January, 1999.

Two prizes of Rs.2000/- in cash along with a certificate will be awarded to the best presentation in each Section during the valedictory function of the 96th Indian Science Congress.

The last date of submitting papers/abstracts is **15 September 2008**. For details on submission of paper and poster, please see http://www.sciencecongress.org/html/pap.html

For more details and participation, please log on www.nehu.ac.in or email to “ tandon1@sancharnet.in

...Back-Index

आपका पृष्ठ

महोदय,

राविप्रासंप सन्देश पत्रिका हमें पिछले वर्ष से प्राप्त हो रही है। इस पत्रिका के माध्यम से हमें विज्ञान के विभिन्न तथ्यों की जानकारी प्राप्त हो रही है। इस पत्रिका को पढ़ने के लिए विज्ञान वर्ग के छात्र क्लब में आते रहते हैं। इस पत्रिका को हम क्लब की शाखाओं में एक सप्ताह के लिए भेजते हैं। पत्रिका के कुशल सम्पादन के लिए धन्यवाद।

पृथ्वी ग्रह वर्ष की शुभकामनाएं।

राजू सिंह यादव

सचिव, विपनेट क्लब भमौरी पट्टी, सम्भल, उ.प्र.–244302

महोदय,

आपकी पत्रिका *NCSTC Communications* की मैं नियमित पाठिका हूँ तथा अपने स्कूल में बच्चों को भी इसे पढ़ने के लिये प्रेरित करती हूँ।

जैसा कि वैश्विक परिदृश्य में आये परिवर्तनों तथा पर्यावरणीय प्रदूषण ने सभी का ध्यान आकर्षित कर रखा है जिसके समाधान में अनवरत प्रयास किये जा रहे हैं। यहाँ पर यह आलेख करना चाहूँगी कि विद्यालय स्तर पर जयपुर स्थित "सुबोध पब्लिक स्कूल" के "Nature Club" के विद्यार्थियों ने न केवल पर्यावरण जागरूकता अपितु संरक्षण के लिये समय–समय पर आम जनता को अपने कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया। पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को उजागर एवं प्रसारित करने के लिये कई वर्षों से 'ग्रीन ग्रोथ क्लब' अलग अलग ढंग से विभिन्न International Day जैसे International Water Day, World Earth Day, World Wild Life Week, World Forestry Day, World Habitat Day, World Biodiveristy Day आयोजित करता है एवं साथ ही बच्चों में तकनीकी एवं विज्ञान की जानकारी को विकसित करने के लिये कक्षा 5 से ही प्रयोगात्मक अध्ययन पर विशेष जोर दिया जाता है।

अभी हाल में क्लब सदस्यों ने 'विश्व स्वाथ्स्य दिवस' अप्रैल 07,2008 पर जयपुर शहर के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों के पेयजल का Microbial & Physiochemical Test स्कूल के लैब में किया तथा साथ ही यह भी बताया कि किस तरह सामान्य जन अपने घर पर सस्ते एवं सरल तरीकों से पानी की गुणवत्ता एवं शु(ता को परख सकते हैं इससे जयपुर वासियों में 'पानी एवं स्वास्थ्य" के प्रति चेतना जागृत की। जिसे सभी लोगों ने सराहा।

श्रीमती बेला जोशी

प्राचार्या, सुबोध पब्लिक स्कूल, भिवानी सिंह मार्ग, रामबाग क्रॉसिंग, जयपुर–302015

महोदय

मैं कक्षा–दशम का छात्र हूँ तथा विज्ञान से सम्बन्धित सभी गतिविधियों में भाग लेता हूँ एवं स्थान प्राप्त करता हूँ। मेरे पास कई किताबें हैं जिनमें समझाने के लिए मॉडलों का प्रयोग किया गया है। मेरा आपसे निवेदन है कि आप मेरे विज्ञान गतिविधि में भाग लेने के लिए विज्ञान से सम्बन्धित किताबें जिनमें विज्ञान को मॉडलों के द्वारा समझाया हो सहयोग के लिए भेजने का कष्ट करने की कृपा कीजिएगा। मैं इन पुस्तकों को पुस्तकालय से पढ़ता रहता हूँ। मुझे 229वीं पेनम का 'विज्ञान नहीं पढ़ेगे तो कैसे बढ़ेंगे आगे? लेख बहुत अच्छा लगा।

धीरेन्द्र बिनवाल

S/O श्री नरेश चन्द्र बिनवाल, हथरंगिया, लोहाघाट जिला–चम्पावत, उत्तराखण्ड–262524

विज्ञान प्रसार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की स्वायत्तशायी संस्था ने कई पुस्तकें प्रकाशित की है। सूचीपत्र के लिये निदेशक को इस पते पर संपर्क करें: ए–50, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर–62, नोएडा–201 307 यू.पी. – **सम्पादक**

महोदय,

रा.वि.प्रौ.सं.प. सन्देश नामक मासिक पत्रिका ;माह दिसम्बर 2007द्ध की प्रति प्राप्त हुई। बहुत–बहुत आभार।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

बसन्त कुमार राय

नेहरू युवा केन्द्र, ईस्ट चम्पारन, मोतिहारी– 845401

...Back-Index